RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक
क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 02 अंकः 138, गुरुवार, 13 जून, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

गुजरात के कांग्रेस कार्यकर्ता मदद के लिए रहे तैयार : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)-

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में चक्रवाती तूफान 'वायु'की आशंका को देखते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओ से लोगों की मदद के लिए तैयार रहने को कहा है। गांधी ने बुधवार को ट्वीट किया,÷चक्रवात 'वायु' गुजरात तट के करीब पहुँचने वाला है। मैं गुजरात के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे इसके रास्ते में आने वाले सभी क्षेत्रों में मदद के लिए तैयार रहे। मैं चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के सभी लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर में हवा के कम दबाव की स्थिति गहराने के कारण उत्पन्न चक्रवाती तूफान 'वायु' 13 जून की सुबह तक गुजरात पहुंच जायेगा जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने हाई अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने पर्यटकों से सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा है।

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में बड़ा आतंकी हमला, CRPF के 5 जवान शहीद-2 आतंकी ढेर

अनंतनाग (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में एक बड़ा आतंकी हमला होने की खबर है। जानकारी के अनुसार अनंतनाग में बस स्टैंड के पास आतंकियों ने सीआरपीएफ और पुलिस बल के जवानों पर हमला कर दिया। इस हमले में 5 जवान शहीद हो गए, जबकि तीन जवानों के घायल होने की भी खबर है। एनकाउंटर में जवानों ने दोनों आतंकियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि अनंतनाग में बाइक सवार 2 नकाबपोश आतंकी आए और सीआरपीएफ और पुलिस बल के जवानों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों पर भी फायरिंग की। इसमें सीआरपीएफ के दो जवान तथा राज्य पुलिस बल का एक साह्र के घायल होने की खबर है। एसएचओ सदर अनंतनाग इंस्पेक्टर इरशाद के सीने में गोली लगी है। डॉक्टरों ने उन्हें श्रीनगर अस्पताल रिफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार इस आतंकी हमले में महिला भी घायल है। सुरक्षाबलों ने दोनो नकाबपोश आतंकवादियों को मार गिराया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अल उमर मुजाहिदीन नाम के आंतकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। इस आतंकी संगठन ने कहा है कि मुश्ताक जरगर उसका सरगना है। बताया जा रहा है कि बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान वह भी निशाने पर था। आपको बता दें कि मुश्ताक जरगर वही शख्स है जिसे 1999 में विमान आईसी-814 के अपहृत यात्रियों को छोड़ने के बदले भारत सरकार ने रिहा किया था। उसके साथ मसूद अजहर और शेख उमर को भी छोड़ा गया था। गौर हो कि अनंतनाग में यह आतंकी हमला अमरनाथ यात्रा को लेकर चल रही तैयारियों के बीच हुआ है। अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई से शुरू होकर 15 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान ने सोमवार को सीजफायर का उल्लंघन किया, जिसमें एक जवान शहीद हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने 6 जून तक 1170 बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला, तीन तलाक पर संसद में नया बिल लाएगी मोदी सरकार

नेशनल डेस्क (एजेंसी):

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने मुस्लिम समाज में तीन तलाक की कुप्रथा पर रोक लगाने के लिए लागू दूसरे अध्यादेश के स्थान पर लाये जाने वाले मुस्लिम महिला (विवाह के अधिकार का संरक्षण) विधेयक 2019 के मसौदे को आज मंजूरी दे दी। सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने यहां संवाददाताओं को मंत्रिमंडल के फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए यह बताया। मोदी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' नारे के अनुरूप लैंगिक समानता एवं लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कानून बनाने का फैसला किया है। इस विधेयक में विवाहित मुस्लिम महिलाओं को उनके पतियों द्वारा 'तलाक ए बिद्दत' की प्रथा का इस्तेमाल अवैध ठहराया गया है और इसे दंडनीय अपराध बनाया गया है। इस विधेयक को संसद के अगले सत्र में पेश किया जाएगा। विधेयक के मसौदे के अनुसार तलाक ए बिद्दत अवैध होगा और ऐसा करने वाले पुरुष को तीन साल तक की कैद एवं जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा विवाहित मुस्लिम महिला एवं उसके बच्चों को गुजारा भत्ता देने की व्यवस्था होगी। अभियुक्त को पीड़ित महिला का पक्ष सुनने के बाद ही मजिस्ट्रेट की अदालत से जमानत मिल सकेगी। पीड़ित महिला या उसके रिश्तेदार ही सिफ'प्राथमिकी दर्ज करा सकेंगे तथा अदालत में महिला और पुरूष के बीच आपसी समझौता भी हो सकता है।

4 साल की मासूम से रेप के बाद पत्थर से सिर कुचल कर दी थी हत्या, कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान की एक विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट ने बुधवार को चार साल की मासूम बच्ची से रेप और हत्या के आरोपी को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। दोषी धर्मेंद्र उर्फ राजकुमार 1 फरवरी 2015 को अलवर के बहरोड़ में एक चार साल की मासूम को टॉफी दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया था। राजकुमार ने पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और उसके बाद पत्थर से मासूम का सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

आरोपी को अलवर की विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट ने घटना के चार साल बाद दोषी मानते हुए उसे मौत की सजा सुनाई है। विशिष्ट लोक अभियोजक विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपी धर्मेंद्र उर्फ राजकुमार पुत्र अभय सिंह निवासी रिवाली बहरोड़ ने 1 फरवरी 2015 को इस घटना को अंजाम दिया था। बच्ची करीब 4 वर्ष उम्र की थी, जिसको टॉफी देने के बहाने वह खंडहरनुमा मकान में ले गया।

वहां पहले उसने मासूम से दुष्कर्म किया और उसके बाद उसका सिर पत्थर से कुचल कर उसकी हत्या कर दी। मासूम से दुष्कर्म और हत्या के इस मामले में अलवर के पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश अजय शर्मा ने फैसला सुनाते हुए धर्मेंद्र उर्फ राजकुमार को 302, 376 और पॉक्सो एक्ट में फांसी की सजा सुनाई। वहीं इस प्रकरण पर विशिष्ट लोक अभियोजक विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि चार वर्ष पूर्व 1 फरवरी 2015 को बहरोड़ थाने के रेवाली गांव यह मामला हुआ था, जिसकी रिपोर्ट बहरोड़ थाने में दर्ज हुई थी। इस मामले में लगातार कार्रवाई जारी रही और आखिरकार चार साल बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को फांसी की सजा से दंडित किया।

10 साल में दूसरी बार चांद पर कदम रखेगा भारत, चंद्रयान-2 का प्रक्षेपण 15 जुलाई को

हैदराबाद (एजेंसी): इसरो ने अपने महत्वाकांक्षी और बहुप्रतीक्षित स्पेस मिशन चंद्रयान-2 की पहली झलक दिखाई है। इसरो ने 9 से 16 जुलाई के बीच लॉन्च होने वाले मिशन के मॉड्यूल्स की तस्वीरें बुधवार को जारी की हैं। 9 से 16 जुलाई के बीच चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी 384400 किलोमीटर रहेगी और अगर मिशन सफल हुआ तो अमेरिका, रूस, चीन के बाद भारत चांद पर रोवर उतारने वाला चौथा देश होगा। वहीं तस्वीरों के जारी होने के बाद लोगों का उत्साह काफी बढ़ गया है।

मिशन चंद्रयान-2 को लेकर खास बातें

- चंद्रयान-2 के तीन हिस्से हैं, जिनके नाम ऑर्बिटर, लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) हैं, इस प्रोजेक्ट की लागत 800 करोड़ रुपए है।
- चंद्रयान-2 में एक भी पेलोड विदेशी नहीं है, इसके सभी हिस्से पूरी तरह से स्वदेशी हैं, जबकि चंद्रयान-1 के ऑर्बिटर में 3 यूरोप और 2 अमेरिका के पेलोड्स थे।
- भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो 11 साल बाद एक बार फिर चंद्रमा की सतह को खंगालने के लिए तैयार है।
- इसरो ने उम्मीद जताई है कि चंद्रयान-2 चंद्रमा पर 6 सितंबर को दक्षिणी ध्रुव के पास उतरेगा।
- इसरो के मुताबिक ऑर्बिटर मिशन के दौरान चांद का चक्कर लगाएगा और फिर चांद के साउथ पोल के पास लैंड होगा।
- चांद की सतह पर पहुंचने पर 6 पहियों वाला प्रज्ञान सतह छोड़ दिया जाएगा जहां यह एक्सपेरिमेंट करेगा। ये सब धरती पर बैठे इसरो के साइंटिस्ट कंट्रोल करेंगे।
- भारत के लूनर मिशन को आगे ले जाने के अलावा चंद्रयान दो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की मदद भी करेगा। यह अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का एक एक्सपेरिमेंट भी लेकर जाएगा।

उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-2 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। भारत 10 साल में दूसरी बार चांद पर मिशन भेज रहा है। इससे पहले चंद्रयान-1 को 2009 में भेजा गया था। हालांकि तब उसमें रोवर शामिल नहीं था। चंद्रयान-1 में केवल एक ऑर्बिटर और इंपैक्टर था जो चांद के साउथ पोल पर पहुंचा था। इसरो इस बार चंद्रयान-2 को लेकर काफी उत्साहित है।

केरल में मकान की रजिस्ट्री कराने के लिए पौधे लगाना हुआ अनिवार्य

नेशनल डेस्कः धरती एक ओर गंभीर पर्यावरण संकट के दौर से गुजर रही हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे तापमान की वजह से तेजाबी बारिश आज की प्रमुख समस्याएं हैं। इन सभी विनाशकारी कारकों से निपटने के लिए अपने पड़ौस में अधिक-से-अधिक पौधे लगाएं और प्रदूषण को कम करें, ताकि हम अपने आस-पास की चीजों को सरल बना सकें। केरल ने इस संबंध में एक नया कदम उठाया है। केरल की एक नगरपालिका ने मकान की रजिस्ट्री के लिए पौधे लगाने अनिवार्य कर दिया है। मकान की रजिस्ट्री कराने वाला व्यक्ति मकान के परिसर में आम या कटहल के दो पौधे लगाने होंगे। अपने घर के परिसर में यह पौधे नहीं होंगे तो इसका मतलब है कि इस घर की रजिस्ट्री नहीं होगी। योजना के अनुसार, एक बार निर्माण पूरा होने के बाद, अधिकारियों का एक दल पौधों की जांच करने आएगा, उसके बाद मकान की रजिस्ट्री की मंजूरी मिलगी। यह नियम उन सभी घरों के लिए लागू है जो 1,500 वर्ग फीट से अधिक के हैं या 8 सेंटीमीटर से कम क्षेत्र में बने हैं। कथित तौर पर कोडुंगल्लूर शहर में हरियाली सुनिश्चित करने के लिए ऐसा कदम उठाने वाला पहला नगर निकाय है।

कॉरपोरेट फ्रॉड रोकने के लिए पीएम मोदी का नया प्लान, कंपनी डायरेक्टर्स को देनी होगी परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपनी दूसरी पारी में प्रधानमंत्री मोदी अब देश के कॉरपोरेट गवर्नेंस सिस्टम को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल में कॉरपोरेट सेक्टर में फर्जीवाड़े की कई घटनाओं के सामने आने के बाद पीएम मोदी की कोशिश है कि कॉरपोरेट सेक्टर के गवर्नेंस सिस्टम में बड़ा बदलाव किया जाए ताकि फर्जीवाड़े पर रोकथाम लगे। इस योजना के तहत जल्द ही कंपनी के बोर्ड में नियुक्त होने से पहले स्वतंत्र निदेशकों को एक परीक्षा पास करनी होगी। यह जानकारी कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय में सचिव इंजेती श्रीनिवास ने दी। श्रीनिवास ने कहा है कि कंपनी बोर्डो के स्वतंत्र निर्देशकों को उनकी नियुक्ति किए जाने से पूर्व एक परीक्षा देनी होगी। सरकार डिलोटी हास्किन एंड सेल्स पर भी प्रतिबंध लगाने जा रही है। सरकार का कहना है कि ये प्रमुख छाया ऋणदाताओं के बढ़ रहे खतरे को सावधान करने में विफल रही हैं और बैंकिंग नियामक जांच के बाद इस महीने एक ईवाई को निलंबित कर दिया था। इस संबंध में निगरानी कौन करेगा, भारत में ये एक ज्वलंत समस्या बन गयी है। पिछले वर्ष एक ज्वैलर्स पर दो बिलियन पोंड से अधिक का सरकारी ऋण का फॉड करने का आरोप लगा है। ये गैर बैंक वित्तीय कंपनियों में दोष देखा गया जिसने वित्तीय प्रणाली को संकट के निकट लाकर खड़ा कर दिया और देखा कि करोड़पति कंपनियां दिवालिया होकर रह गयी। पर्यवेक्षकों का कहना है कि कंपनियों के स्वतंत्र निर्देशकों को अपनी गड़बड़ी से पूर्व ही इस दोष को पकड़ लेना चाहिए। श्री निवास ने एक इंटरव्यू में कहा कि हमें इस कल्पना को समाप्त करना होगा कि स्वतंत्र निर्देशकों का कोई जिम्मेदारी पूर्ण कार्य नही होता। हमें कार्पोरेट जगत में ये प्रचार करना चाहिए कि स्वतंत्र निर्देशकों को कर्तव्य भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से अवगत कराना चाहिए। श्री निवास ने कहा कि यह परीक्षा ऑनलाइन प्रणाली पर होगी जिसके विषय भारतीय कंपनी कानून, आचार विचार और पूंजीगत बाजार नियमों पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक निर्देशकों की निश्चित समय सीमा निर्धारित करनी होगी। जिसके तहत उन्हें परीक्षा पास करनी होगी,उन्हें असीमित बार कोशिश करने की अनुमति होगी। कई वर्षों से बोर्डों में तैनात अनुभवी निर्देशकों को इस परीक्षा से छूट होगी। मगर उन्हें सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे डाटा बेस आधार में खुद को पंजीकृत करना होगा।

UP बार काउंसिल की अध्यक्ष दरवेश यादव की गोली मारकर हत्या, हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

आगरा । उत्तर प्रदेश में आगरा के न्यू आगरा क्षेत्र में बार कौंसिल की नव निर्वाचित अध्यक्ष की बुधवार को एक वकील ने गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दीवानी कचहरी परिसर में यह घटना उस समय दरबेश सिंह एक वकील के चैम्बर में बैठी थी। इस बीच अधिवक्ता मनीष शर्मा ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से उन पर गोलियां दागी और बाद में खुद को भी गोली मार कर लहुलुहान कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, आगरा की दीवानी कचहरी में स्वागत समारोह के दौरान हुए इस गोली कांड से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि अधिवक्ता मनीष ने समारोह के दौरान अचानक पिस्तौल निकाली और दरवेश यादव पर गोली चला दी। उसने दरवेश को तीन गोली मारी और इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। आरोपी दरवेश यादव का पूर्व सहयोगी बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दरबेश सिंह और मनीश शर्मा को अस्पताल ले जाया गया जहां दरबेश को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगा रही है। गौरतलब है कि पिछले रविवार को प्रयागराज में आगरा की दरवेश सिंह और वाराणसी के हरिशंकर सिंह यूपी बार कौंसिल के अध्यक्ष संयुक्त रूप से चुने गए थे। आपसी रजामंदी के आधार पर दरवेश को पहले छह महीने के लिये अध्यक्ष बनाया गया था।

पूर्व इसरो प्रमुख का खुलासा, यूपीए सरकार ने चंद्रयान-2 भेजने में की देरी

हैदराबाद (एजेंसी):

इसरो के पूर्व प्रमुख जी माधवन नायर ने बुधवार को दावा किया कि चंद्रयान-2 मिशन पहले ही रवाना किया जा सकता था पर तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने 2014 के लोकसभा चुनावों को देखते हुये 'राजनीतिक कारणों% से 'मंगलयान% परियोजना को आगे बढ़ा दिया। चंद्रयान-1 के मुख्य कर्ता धर्ता रहे नायर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख और अंतरिक्ष विभाग में 2003 से 2009 तक सचिव के पद पर रहे थे और चंद्रयान-1, 22 अक्टूबर, 2008 में छोड़ा गया था। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-2 को 2012 के अंत में रवाना किया जाना था। नायर बीते साल अक्टूबर में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये थे।

संपादकीय

भ्रष्ट अधिकारी

पहली नजर में यह एक सामान्य सी खबर ही है। सरकार ने राजस्व विभाग के 12 वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रष्टाचार और यौन उत्पीड़न के आरोपों में बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बेशक, यह जरूरी कदम है, और सराहनीय भी। इन अधिकारियों के खिलाफ लगे आरोपों के विस्तार में जाएं, तो पता चलता है कि ये सारे मामले न सिर्फ गंभीर हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था सारी जानकारी और मामलों की गंभीरता को समझते हुए भी लगातार चल रही थी। मसलन, इन 12 अधिकारियों में शामिल एक आयकर आयुक्त का मामला ही लें। उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोप सही पाए गए थे और इन आरोपों के कारण उन्हें दस साल पहले ही निलंबित कर दिया गया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार कानून के तहत मामला दर्ज कराया गया, जो अभी तक चल रहा है। यह अकेला मामला ही बता देता है कि भ्रष्टाचार रोकने की हमारी व्यवस्था में कितने छिद्र हैं। जब किसी कर्मचारी को निलंबित करके उसके खिलाफ मामला चलाया जाता है, तो उसे इस निलंबन के दौरान उसके वेतन का एक हिस्सा दिया जाता है और इसके अलावा उसे सेवा से संबंधित अन्य सुविधाएं भी पहले की ही तरह मिलती रहती हैं। यह व्यवस्था तब तक रहती है, जब तक कि इस मामले में कोई अंतिम फैसला न हो जाए। जाहिर है कि इस मामले में यह अंतिम फैसला पिछले दस साल से अटका हुआ था। कहावत है कि देर से हुआ न्याय, दरअसल न्याय न मिलना ही होता है, यानी ऐसे मामलों में फैसले का लंबे समय तक लटके रहना, उस जनता के साथ अन्याय ही है, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन जिसका अधिकार है। जिन अधिकारियों को सेवा मुक्त किया गया है, उनमें एक ऐसे अधिकारी भी हैं, जिन पर एक कारोबारी से दबाव डालकर धन उगाहने का आरोप है। एक ऐसे अधिकारी भी हैं, जिन्होंने अपने और अपने परिवारी जनों के नाम पर सवा तीन करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जमा कर रखी थी, जबकि उनकी आमदनी के सारे स्रोतों से इतनी संपत्ति बनाना मुमकिन नहीं था। वैसे इन 12 में से ज्यादातर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले ही हैं। इसके अलावा, इसी फेहरिस्त में एक ऐसे अधिकारी भी हैं, जिन पर अपने ही विभाग की दो महिला अधिकारियों के यौन उत्पीड़न का मामला चल रहा है। जिन महिला अधिकारियों का उत्पीड़न हुआ, वे आयुक्त स्तर की अधिकारी थीं। यह बताता है कि महिलाएं भले ही वरिष्ठ अधिकारी हो जाएं, पर वे सुरक्षित नहीं हैं, साथ ही यह भी कि कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। ये मामले राजस्व विभाग के हैं, लेकिन ये स्थितियां पूरे सरकारी तंत्र में ही हैं। ये मामले बता रहे हैं कि प्रशासन को भ्रष्टाचार और यौन उत्पीड़न से मुक्त बनाने का काम कितना जटिल है। ऐसे मामलों को निपटाने में कई बरस लगते हैं और न तो समय रहते सजा मिल पाती है और न सजा बाकी लोगों के लिए सबक बन पाती है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए सबसे जरूरी यह है कि मामलों का निपटारा जल्दी हो और भ्रष्टाचारियों के लिए सजा की पक्की व्यवस्था बने। अधिकारियों को सेवामुक्त किया जाना स्वागत योग्य है, पर प्रशासन से भ्रष्टाचार मिटरने के लिए इससे आगे बढ़कर बहुत कुछ करने की जरूरत है।

ट्वीट

प्रावधान

कानून की किताबों से आपराधिक मानहानि के मुकदमे वाला प्रावधान हटा दिया जाना चाहिए। इसका अक्सर शक्तिशाली लोगों द्वारा कमजोरों को भय-त्रास दिखाने और उनका उत्पीड़न करने में दुरुपयोग किया जाता रहा है। आज इसका शिकार प्रशांत हुआ है, कल...?

राजदीप सरदेशाई वरिष्ठ पत्रकार

क्षेत्रीय दलों की सीमाएं और संभावनाएं

राजकुमार सिंह

केंद्रीय सत्ता के लिए हुए सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव के परिणाम हार-जीत से इतर भी कुछ राजनीतिक संकेत देते हैं, जिन्हें निष्कर्ष पर पहुंचने की जल्दबाजी के बिना भी समझने की जरूरत है। चुनाव पूर्व से लेकर मतगणना तक कई क्षत्रप और क्षेत्रीय दल जिस तरह किंग या किंगमेकर बनने की कवायद करते रहे, उससे एक बार फिर वैसी गठबंधन सरकार की आशंका गहराने लगी थी, जिसका आधार न्यूनतम कार्यक्रम कम, अधिकतम लूट की छूट ज्यादा रहता है। सरकार अब भी गठबंधन यानी राजग की ही बनी है, लेकिन भाजपा को फिर अकेलेदम ही बहुमत मिल जाने के बाद सहयोगी दलों के दबाव की संभावना लगभग खत्म हो गयी है। बेशक पिछली बार महज दो सीटों पर सिमट गये जद-यू को राजग में वापसी के बाद इस बार 16 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है। भाजपा के सबसे पुराने राजनीतिक मित्रों में शुमार शिवसेना को भी 18 सीटें मिली हैं। उधर कांग्रेस के साथ गठबंधन करने वाले द्रमुक ने तमिलनाडु में शानदार प्रदर्शन किया है तो भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद बंगाल में भी लोकसभा सीटों का बड़ा हिस्सा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की ही झोली में गया है। लगातार पांचवीं बार ओडिशा का मुख्यमंत्री बनने वाले नवीन पटनायक के बीजू जनता दल ने विधानसभा के साथ-साथ लोकसभा में भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शेष देश में चुनाव परिणाम क्षेत्रीय दलों के लिए खतरे की घंटी बजाने वाले हैं। निश्चय ही पांच राज्यों में क्षेत्रीय दलों के दमदार चुनावी प्रदर्शन के मद्देनजर सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव परिणामों को क्षेत्रीय राजनीति का विदाई संकेत मानना जल्दबाजी होगी। इसलिए भी कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस अब भी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में नजर नहीं आती, लेकिन देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब तक, खासकर उत्तर भारत में क्षेत्रीय दलों को मतदाताओं ने जिस तरह नकारा है, वह बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेतक लगता है। उत्तर प्रदेश पर दो दशक से भी ज्यादा समय तक सपा-बसपा सरीखे क्षेत्रीय दलों का राजनीतिक वर्चस्व रहा। दोनों ही दल कम से कम एक-एक बार अकेलेदम ही बहुमत हासिल कर भी सत्ता में आये। लगा कि केंद्रीय सत्ता का रास्ता जिस उत्तर प्रदेश से निकलता रहा, उसने राष्ट्रीय दलों को अलविदा कह दिया है, लेकिन वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर ने तमाम सामाजिक-राजनीतिक समीकरण ध्वस्त कर राज्य की कुल 80 लोकसभा सीटों में से अकेलेदम 71 और सहयोगियों के साथ मिलकर 73 सीटें जीत लीं। सत्तारूढ़ सपा महज पांच सीटों पर सिमट गयी तो बसपा का खाता तक नहीं खुला। वह मतदाताओं के बदलते मूड का ही संकेतक था, लेकिन मोदी लहर में उसे पढ़ने-समझने की अपेक्षित कोशिश नहीं की गयी। आश्चर्यजनक रूप से वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भी मोदी लहर सपा-बसपा के परंपरागत जनाधार पर भारी पड़ी। हालांकि इस बार लोकसभा चुनाव में वैसी मोदी लहर नहीं दिख रही थी, लेकिन उपचुनाव नतीजों में गठबंधन के प्रयोग से उत्साहित सपा-बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। राष्ट्रीय दल होने के चलते महज दो सीटों की पेशकश को कांग्रेस ने तो अपमानजनक माना, पर अजित सिंह का रालोद तीन सीटें लेकर इस गठबंधन में शामिल हो गया, लेकिन उपचुनाव के उलट आम चुनाव में यह गठबंधन जनादेश पाने में नाकाम रहा। प्रधानमंत्री पद की स्वयंभू प्रत्याशी मायावती ने आश्चर्यजनक रूप से पता भी लगा लिया कि सपा का वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं हुआ। जबकि सच यह है कि सपा पिछले चुनाव जितनी पांच सीटों तक ही सीमित रही, जबकि बसपा शून्य से 10 सीटों पर पहुंच गयी। अपने विश्लेषण के आधार पर ही मायावती ने एकतरफा ऐलान कर दिया कि लंबे अंतराल के बाद बसपा उपचुनाव न सिर्फ लड़ेगी, बल्कि अकेले ही लड़ेगी। ऐसे में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पास भी अकेले ही उपचुनाव लड़ने के जवाबी ऐलान के अलावा विकल्प भी क्या बचा था। हां, रालोद ने उसे सांत्वना देते हुए अवश्य कहा है कि उसका गठबंधन सपा के साथ था, और रहेगा।

बड़े गठबंधन की विफलता के बाद छोटा गठबंधन या अकेली बसपा क्या करिश्मा कर पायेगी? दरअसल यह सवाल इसलिए भी कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बिहार में भी महागठबंधन और भी बुरी तरह नाकाम रहा। वहां लालू यादव के राजद की अगुवाई वाले महागठबंधन में कांग्रेस के अलावा उपेंद्र कुशवाहा की रालोसपा और जीतन राम मांझी का हम भी शामिल था, लेकिन खाता तक नहीं खुला। राज्य की 40 में से 39 लोकसभा सीटों पर राजग ने कब्जा कर लिया। इनमें से 16 सीटें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल-यूनाइटेड और 6 सीटें रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी को मिली हैं। जनता दल के अंतर्कलह का फायदा उठाते हुए दिग्गजों को पछाड़ कर 1990 में बिहार का मुख्यमंत्री बने लालू यादव ने 1997 में 17 सांसदों के साथ अपना अलग राष्ट्रीय जनता दल बना लिया था। उसके बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बिहार में उनके दल को एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली। राजद का यह हश्र तब और भी चौंकाने वाला लगता है, जब विधानसभा में 81 सीटों के साथ वह अब भी सबसे बड़ा दल हो। अब जरा हरियाणा-पंजाब का हाल देखिए। वर्ष 2014 में मोदी लहर के चलते लोकसभा की 10 में से सात सीटें जीतने के चार महीने बाद भाजपा ने अकेलेदम हरियाणा की सत्ता हासिल कर सभी को चौंका दिया था, लेकिन तब भी 10 साल तक सत्ता में रही कांग्रेस को हाशिये पर धकेल कर इनेलो लोकसभा की दो सीटें और फिर विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल का दर्जा पाने में सफल रहा था। हालिया लोकसभा चुनाव में पासा पूरी तरह पलट गया। भाजपा सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रही। नौ सीटों पर कांग्रेस ने उसे टक्कर दी, जबकि सत्ता महत्वाकांक्षाओं के चलते इनेलो और चौटाला परिवार टूटने से अस्तित्व में आयी जजपा मात्र एक सीट पर उसे टक्कर दे पायी। शेष सभी सीटों पर इनेलो और जजपा, दोनों के ही प्रत्याशियों की जमानत भी जब्त हो गयी। इन दोनों से बेहतर प्रदर्शन तो भाजपा के बागी सांसद राजकुमार सैनी की लोसुपा और मायावती की बसपा के गठबंधन का रहा, जो अब टूट चुका है। दिल्ली में ऐसा ही हश्र सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी का हुआ, जो जीत तो दूर, सात में से मात्र एक लोकसभा सीट पर ही मुख्य मुकाबले में आ पायी। उधर पंजाब में 10 साल तक भाजपा के साथ मिलकर गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर चुका शिरोमणि अकाली दल इस बार महज दो लोकसभा सीटों पर सिमट गया। पिछले विधानसभा चुनाव में हार के साथ ही अकाली दल मुख्य विपक्षी दल की दौड़ में भी आम आदमी पार्टी से पिछड़ गया था, जबकि सत्ता कैप्टन अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस के हिस्से आयी थी। कभी सत्ता शीर्ष पर रहे क्षेत्रीय दलों का ऐसा नकार क्या मतदाताओं, खासकर युवाओं द्वारा इनकी परिवार केंद्रित राजनीति तथा जाति, वर्ग, क्षेत्र की संकीर्ण सोच को खारिज कर दिया जाना ही नहीं है?

प्रथम दृष्टया ऐसा ही लगता है, लेकिन जद-यू, लोजपा, बीजद और तृणमूल की चुनावी सफलता अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से रोकती है, पर सही निष्कर्ष के लिए इन क्षेत्रीय दलों में भी फर्क समझना होगा। पासवान को फिलहाल अपवाद मान लें तो नीतीश और ममता पर अभी जाति, वर्ग, क्षेत्र की संकीर्णता का ठप्पा नहीं लगा है, जबकि नवीन पटनायक की राजनीतिक एवं प्रशासनिक कुशलता किसी के लिए भी बड़ी चुनौती है, लेकिन क्षेत्रीय दलों-क्षत्रपों के लिए यह आत्मचिंतन की घड़ी तो निश्चय ही है।

ज्ञान गंगा

तेज चलें हम

जग्गी वासुदेव

अपने कभी अपनी चाल पर गौर किया है। नहीं किया है तो अब करें। यह देखें कि जब भी आप चलते हैं तो आपकी चाल तेज होती है या आप आराम-आराम से चलते हैं? इस अंतर को ध्यान में रखना या इस पर गौर करना जरूरी है। इसलिए कि अगर आप आराम से चलते हैं तो आपको थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि हालिया एक स्टडी के अनुसार जो लोग आराम-आराम से टहलकर चलते हैं, उनकी अपेक्षा ब्रिस्क वॉक यानी तेज-तेज चलने वाले लोग ज्यादा लंबी उम्र जीते हैं। यह रिसर्च किया है, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च और लीसेस्टर बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर ने। इस सेंटर के किये इस शोध के अनुसार तेज कदम चलने वाले लोग तीन मील प्रति घंटे की रफ्तार से एक मिनट में 100 कदम तक चलते हैं और धीरे-धीरे चलने वालों से आगे निकल जाते हैं। वहीं, धीरे चलने वाले लोग एक या दो मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हैं और एक मिनट में महज 50 कदम ही चल पाते हैं। इस शोध के अंतर्गत 4 लाख 75 हजार लोगों को शामिल किया गया और उनके ऊपर अधारित डाटा के अनुसार यह बात स्थापित की कि आपकी रफ्तार आपकी दीर्घ आयु को दर्शाती है। जो लोग आराम से चलते हैं, वे उन लोगों की अपेक्षा कम जीते हैं, जो तेज-तेज चलते हैं। आपको बता दें कि इस अध्ययन में हर उम्र, वजन और ऊंचाई वाले लोगों को शामिल किया गया था। अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार कम वजन वाले लोग जो धीरे-धीरे चलते हैं। उनके लंबी उम्र तक जीने की संभावना बहुत कम रहती है। यह आयु सीमा पुरु षों में औसतन 64 साल और महिलाओं में 71 साल तक होती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि आपकी चाल और आपकी उम्र से संबंधित यह अपने आप में पहला और अनोखा अध्ययन है। इस अध्ययन में शामिल प्रोफेसर येट्स का कहना है कि अब हमें लोगों को ब्रिस्क वॉक् करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह उनकी सेहत और उम्र दोनों के लिए अच्छा है। तेज चलने के बारे में एक और बात है। यह भी काम की बात है। तेज चलने वाले व्यक्ति का आत्मविास काफी बढ़ा-चढ़ा पाया गया है। वह अंदर और बाहर-दोनो स्तरों पर आत्मविास से लबरेज पाया गया है। और जीवन में आत्मविास पहली चीज है-फतह हासिल करने के लिये।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

बाकी है अभी समग्रता में मूल्यांकन

सुनील मिश्र

दो दिन पहले मूर्धन्य लेखक, रंगकर्मी और अपनी शख्सियत के अलग ही विद्वान गिरीश कर्नाड का निधन हो गया। उनका योगदान असाधारण था, इसीलिए ही देश के मीडिया ने उनके नहीं रहने से उपजने वाले निर्वात को गम्भीरता से लिया। जिज्ञासा में ज्यादातर लेख पढ़ने में आये और सबमें वही सब एक था टाइगर की बात या टाइगर जिन्दा है कि बात, जिसमें उनकी उपस्थिति बमुश्किल दस-बारह मिनटों की थी। फिर लोगों ने मेरी जंग, इकबाल आदि फिल्मों की बात की और बताया कि इन फिल्मों में उनका काम खूब रहा। मनोरंजन जगत की विडम्बना कि हमें राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के व्यक्तित्व का ठीक-ठीक रेखांकन करने में भी अपने ज्ञान की कमी पड़ती है। हम एक बड़े या विशिष्ट व्यक्तित्व को उसकी समग्रता में व्याख्यायित नहीं कर पाते हैं। हमारे पास मुहावरे ज्यादा हैं और तथ्य कम हैं। हम उसकी बात, उसकी बात कहकर नहीं करना चाहते बल्कि अपना आकलन प्रस्तुत करने लगते हैं। गिरीश कर्नाड का मतलब हिन्दी फिल्मों का वह कलाकार नहीं, जिसे मुम्बइया सिनेमा के फिल्मकार निर्देशक एक भी काबिलियत की भूमिका नहीं दे सके। गिरीश कर्नाड ने कभी नहीं चाहा कि वे इस तरह से पहचाने जायें। अक्सर हिन्दी सिनेमा में उनकी उपस्थिति या यदाकदा सक्रियता को लेकर बात करना उनको असहज ही लगता रहा क्योंकि वे स्वयं ही जानते थे कि यह एक समय बिताने जैसा काम है, जिसमें उत्कृष्टता या काबिलियत के प्रदर्शन जैसा कुछ नहीं है। बासु चटर्जी की फिल्म स्वामी का नायक घनश्याम एक पारिवारिक मर्यादा वाला व्यक्ति है जो अपनी ऐसी पत्नी के मन में अपने संस्कारों और परिवेश में सदियों से बसर करने वाली परम्परा से अपनी जगह बनाता है, जिसके मन में उसका प्रेमी गहरे बसा हुआ है और वह हर अगले पल पति को छोड़कर प्रेमी के साथ चली जाना चाहती है। घनश्याम और सौदामिनी का विवाह भारतीय परम्परा की उस थाती को परिचित कराता है, जिसमें बंधन अटूट होते हैं और प्रेम सदैव परिभाषित नहीं किया जा सकता। गिरीश कर्नाड ने यह भूमिका करते हुए अपने आपको वैसा ही रखा था, जैसे वे थे। स्वामी एक सादगी भरी फिल्म है जो आकर चली जाती है और इसका नायक घनश्याम कहीं हमारे जहन में ठहर कर रह जाता है। हमारे दर्शकों को कौन बतायेगा कि गिरीश कर्नाड ने नेशनल अवार्ड के मंच पर दस बार जाकर अपनी क्षमता का सम्मान प्राप्त किया! एक कलाकार जो मृत्युपर्यन्त कम से कम पांच फिल्मों में तब काम कर रहा था जब उसका सांस लेना दूभर था। इनमें से एक तेलुगू और चार कन्नड़ फिल्में थीं। गिरीश कर्नाड का भारतीय सिनेमा में वह सम्मान था कि निर्देशक उनके साथ अब भी केवल उनका मन रमा रहे, इसलिए काम करना चाहते थे। गिरीश कर्नाड इसलिए सिनेमा के लिए अनमोल हैं क्योंकि उनके नाम से सत्तर के दशक में प्रवाह की तरह आया सार्थक सिनेमा आन्दोलन जाना जाता है। वे सिनेमा के सृजन में आकण्ठ डूबे सर्जक थे जो अपने ही जैसे गुणी लोगों श्याम बेनेगल, गोविन्द निहलानी, सत्यदेव दुबे और अमोल पालेकर के साथ लीक से अलग हटकर काम कर रहे थे। कैमरा वही होता है, तकनीक वही होती है, उस समय की बात कहें तो प्रयुक्त होने वाला रॉ-मटेरियल वही होता है, फिर कैसे कोई गिरीश कर्नाड होता है! अगर सिनेमा एक पाठ है तो उस पाठ की स्याही, अक्षर, मात्राएं और वर्तनी गिरीश कर्नाड जैसे लोग हैं। श्याम बेनेगल ने गिरीश कर्नाड को ही केन्द्र में रखकर मंथन फिल्म बनायी थी। उसमें एक प्रतिबद्ध व्यक्ति को दृश्य में जरा देखिए, वह संगीत सुनिए-समझिए जो डॉ. राव और बिन्दु के एक-दूसरे को देखने और देखने से ध्वनित होने वाली अन्तरंग

लय से उत्पन्न होता है! इस फिल्म को गिरीश कर्नाड जैसे बनाना चाहते थे, एक एपिक की तरह वैसे ही बनाने की पूरी स्वतंत्रता फिल्म के निर्माता शशि कपूर ने उनको प्रदान की। कन्नड़ सिनेमा गिरीश कर्नाड के उत्कृष्ट सिनेमायी सृजन के लिए उनका सदैव ऋणी रहेगा। उनका ऋणी तो भारतीय रंगमंच भी रहेगा, जिसमें उनके लिखे क्लासिक नाटकों की एक बड़ी श्रृंखला है, जिसे मूल कन्नड़ में उन्होंने लिखा और देश को उसका हिन्दी रूपान्तर उपलब्ध कराया। शीर्ष स्थानीय रंगकर्मियों ने गिरीश कर्नाड के नाटकों के बिना भारतीय रंगमंच के बारे में सोचा तक नहीं है। दरअसल हमारे बीच सचमुच यह नाम एक ऐसे जीनियस व्यक्तित्व का था, जिसकी दृष्टि, अनूठी और अथाह विचार सम्पदा और सिद्धान्तों के बारे में तब तक जानना आसान न होता था जब तक आपका उनसे लम्बा संवाद या शास्त्रार्थ न हो। गिरीश कर्नाड का बचपन अनेक अभावों और कष्टों में व्यतीत हुआ था लेकिन अनेक विडम्बनाओं के बीच अपने भरेपूरे परिवार में वे जिस तरह के दैदीप्यमान प्रकाश पुंज बनकर देश-दुनिया में प्रतिष्ठापित और सम्मानित हुए, वह यश बहुत कम लोगों को हमारी सभ्यता में प्राप्त हुआ है।

कॉर्पोरेट कर की दर को 18 प्रतिशत पर लाया जाए, छूटों को खत्म किया जाए : सीआईआई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कॉर्पोरेट कर की दर को घटाकर 18 प्रतिशत करने की मांग की है। उद्योग मंडल का कहना है कि कॉरपोरेट कर की दर को घटाने के साथ सभी कर छूटों को समाप्त करने से सरकारी खजाने को राजस्व का किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। नरेंद्र मोदी 0.1 सरकार ने कॉरपोरेट कर की दर को धीरे-धीरे घटाकर 30 से 25 प्रतिशत पर लाने का प्रस्ताव किया था। सरकार पहले ही 250 करोड़ रुपए से कम के कारोबार वाली कंपनियों के लिए कॉरपोरेट कर की दर को घटाकर 25 प्रतिशत कर चुकी है। सीआईआई के अध्यक्ष विक्रम किर्लोस्कर ने कहा कि हम कर में कटौती चाहते हैं, साथ ही छूटों को समाप्त चाहते हैं। हम काफी सरल कर संहिता के पक्ष में हैं। किर्लोस्कर ने कहा, हमारे आंकड़ों से पता चलता है कि यदि कॉरपोरेट कर को घटाकर 18 प्रतिशत किया जाए और छूट या कर मुक्ता को शून्य पर लाया जाए, तो राजस्व की दृष्टि से तटस्थ होगा। हम इस तरह की दिशा में जाना चाहेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी 2.0 सरकार का पहला बजट पांच जुलाई को पेश करेंगी। सीतारमण अभी विभिन्न अंशधारकों के साथ बजट पूर्व विचार विमर्श कर रही हैं। किर्लोस्कर ने कहा कि सरकार को निवेश और वृद्धि को प्रोत्साहन के उपाय भी करने चाहिए। 2018-19 में वृद्धि दर घटकर पांच साल के निचले स्तर 6.8 प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने कहा कि निवेश बढ़ाने के लिए सरकार को भू सुधार और श्रम कानूनों में सुधार करना होगा। किर्लोस्कर ने विश्वास जताया कि नई मजबूत सरकार से सत्ता में आने के बाद देश सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में सफल रहेगा। -

194 अंक की गिरावट के साथ 39,757 के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई (एजेंसी)।

जब सुबह शेयर बाजार खुला तो उसमें गिरावट देखी गई, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट के साथ लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत की और कारोबार की समाप्ति पर भी ये बढ़त बनाने में नाकामयाब रहा। गिरावट के इस माहौल में कारोबार की समाप्ति पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का तीस शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 193.65 अंक यानि 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,756.81 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के पचास शेयरों वाले निफ्टी पर भी कारोबार की समाप्ति पर गिरावट हावी रही और ये 59.40 अंक यानि 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,906.20 के स्तर पर बंद हुआ। गौरतलब है कि कल के कारोबार के दौरान शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का तीस शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 53.65 अंक यानि 0.13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 39,838.17 के स्तर पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये 165.94 अंक यानि 0.42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 39,950.46 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का पचास शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी कारोबार की शुरुआत में 15.35 अंक यानि 0.13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,938.05 के स्तर पर खुला और कारोबार की समाप्ति पर ये 42.90 अंक यानि 0.36 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,965.60 के स्तर पर बंद हुआ।

मोदी सरकार ने वर्ष 2014 से उद्योग आधारित कई पहल की हैं जिससे कारोबारी माहौल में सुधार हुआ हैः सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत से अधिक रोजगार देने में समर्थ बनने की अपील करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने वर्ष 2014 से उद्योग आधारित कई पहल की हैं जिससे कारोबारी माहौल में सुधार हुआ है। सीतारमण ने उद्योग, सेवा और व्यापार समूहों के प्रतिनिधियों के साथ दूसरी बजट पूर्व चर्चा में सरकार ने 2014 से ही उद्योग से संबंधित अनेक पहलों की शुरुआत की है जिससे कारोबारी माहौल में सुधार हुआ है। मौजूदा नियमों को सरल और तर्कसंगत बनाने के बारे में ज्यादा जोर दिया गया है। शासन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के कुल कार्यबल का 24 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत है। इसलिए, जनसांख्यिकीय विविधता का पूरा लाभ उठाने के लिए उद्योग को अधिक से अधिक कार्यबल को समायोजित करने में समर्थ होना चाहिए। इस बैठक में वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर, वित्त सचिव सुभाष सी. गर्ग, व्यय सचिव गिरीश चन्द्र मुर्मु, राजस्व सचिव अजय नारायण पांडे, वित्तीय सेवाओं मामलों के सचिव राजीव कुमार, दीपम सचिव अतनु चक्रवर्ती, पर्यटन सचिव योगेन्द्र त्रिपाठी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अमित खरे, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव रमेश अभिषेक, वाणिज्य विभाग के सचिव अनूप वधावन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष प्रमोद चंद्र मोदी , केन्द्रीय अप्रत्यक्ष एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष पी.के. दास तथा मुख्य आर्थिक सलाहकार के.वी. सुब्रमण्यम और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एटीएम शुल्कों की समीक्षा के लिए समिति का हुआ गठन, दो महीने में सौंपनी होगी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)।

एटीएम और उसके इस्तेमाल से जुड़े सभी प्रकार के शुल्कों की समीक्षा के लिए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक छह सदस्यीय समिति बनाई है जो दो महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी वी.जी. कन्नन समिति के अध्यक्ष होंगे। उनके अलावा भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दिलीप असबे, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक गिरि कुमार नायर, एचडीएफसी बैंक के समूह प्रमुख (देनदारी से संबद्ध उत्पाद) एस. संपत कुमार, एटीएम उद्योग परिसंघ के अध्यक्ष के. श्रीनिवासन और टाटा कम्युनिकेशन्स पेमेंट सॉल्यूशंस के सीईओ संजीव पटेल को समिति का सदस्य बनाया गया है। आरबीआई ने मौद्रिक समीक्षा समिति की बैठक के बाद 06 जून को जारी विकासशील एवं नियामक नीति बयान' में इस समिति के गठन की बात कही थी। उसने बताया था कि लोगों द्वारा एटीएम का इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है और एटीएम शुल्कों में बदलाव की मांग बार-बार की जा रही है। इस मुद्दे पर, सभी हितधारकों को शामिल करते हुए, एक समिति बनाने का फैसला किया गया था जो एटीएम से जुड़े सभी प्रकार के शुल्कों की समीक्षा करेगी। आरबीआई ने बताया कि समिति की पहली बैठक के दो महीने के भीतर वह अपनी अनुशंसाएं सौंप देगी। उसे एटीएम ट्रांजेक्शन से संबंधित लागत, शुल्कों तथा इंटरचेंज शुल्क की समीक्षा, एटीएम के इस्तेमाल के पैटर्न और शुल्कों पर उसके प्रभाव की समीक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। समिति एटीएम से जुड़े सभी पहलुओं का आंकलन करेगी और अपने सुझाव देगी। -एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

रिजर्व बैंक ने यस बैंक और जिपकैश पर लगाया जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निजी बैंक यस बैंक और मोबाइल वॉलिट कंपनी जिपकैश कार्ड सर्विसेज लिमिटेड पर नियमों के उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को बताया कि उसने यस बैंक और जिपकैश दोनों पर 11.25 लाख रुपए के जुर्माने लगाये हैं। इन दोनों इकाइयों को प्रीपेड भुगतान उपकरण के संदर्भ में आरबीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है।

तीन दिन की गिरावट से उबरा रुपया, 21 पैसे मजबूत

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार की तेजी के कारण अन्तरबैंकिंग मुद्रा बाजार में मंगलवार को रुपया तीन दिन की गिरावट से उबरता हुआ 21 पैसे की मजबूती के साथ 69.44 रुपए प्रति डॉलर पर पहुँच गया। गत तीन कारोबारी दिवसों में भारतीय मुद्रा 39 पैसे टूटी थी। सोमवार को यह 19 पैसे की गिरावट में 69.65 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपए में आज आरंभ से ही तेजी रही। यह 16 पैसे चढ़कर 69.49 रुपए प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें ज्यादा उतार-चढ़ाव देखा गया। इसका दिवस का उच्चतम स्तर 69.35 रुपए प्रति डॉलर और निचला स्तर 69.65 रुपए प्रति डॉलर रहा। कारोबार की समाप्ति पर रुपया गत दिवस की तुलना में 21 पैसे मजबूत हुआ और एक डॉलर 69.44 रुपए का रहा। सेंसेक्स 166 अंक की बढ़त में बंद हुआ। इससे रुपए को भी समर्थन मिला। -(एजेंसी)

आईडीबीआई बैंक ने ब्याज दर में की कटौती, सस्ता हुआ होम और ऑटो लोन

मुंबई: भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के स्वामित्व वाले आईडीबीआई बैंक ने बुधवार को कोष की सीमांत लागत (एमसीएलआर) से जुड़े विभिन्न अवधि के कर्ज पर ब्याज दर में 0.05 से 0.10 प्रतिशत की कटौती की। ये कटौती तत्काल प्रभाव से की गई है। बैंक ने एक साल की अवधि के ऋण पर एमसीएलआर को कम कर 8.95 प्रतिशत कर दिया है। एक साल का एमसीएलआर मानक दर है। इसी के तहत वाहन, व्यक्तिगत तथा आवास ऋण के लिए ब्याज दर निर्धारित की जाती है। बैंक की विज्ञप्ति के अनुसार इस कटौती के बाद एक दिन, एक महीने, छह महीने के लिए ब्याज दरें क्रमशः 7.90 प्रतिशत, 8.15 प्रतिशत तथा 8.60 प्रतिशत हो गई हैं। ओरिएंटल बैंक आफ कॉमर्स ने मंगलवार को एक साल के एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कटौती की थी। इस कटौती के बाद एमसीएलआर 8.70 प्रतिशत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि आरबीआई छह जून को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.75 प्रतिशत कर दी। इस साल यह लगातार तीसरा मौका है जब रेपो दर में कटौती की गई है। कुल मिलाकर अबतक 0.75 प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है।

सोने-चांदी में लौटी तेजी, 200 रुपए महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली: वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में चमक लौटने से दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 200 रुपए चढ़कर 33,570 रुपए प्रति दस ग्राम पर और चांदी 330 रुपए की छलांग लगाकर 37,890 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को एक सप्ताह के निचले स्तर को छूने वाला सोना हाजिर आज 9.45 डॉलर की मजबूती के साथ 1,336.25 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी नौ डॉलर की बढ़त में 1,340.20 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध गहराने से सोने में तेजी लौटी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क के फैसले का बचाव करने के बाद तनाव बढ़ा है। इससे सुरक्षित निवेश मानी जानी वाली पीली धातु में निवेशकों ने ज्यादा पैसा लगाया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.08 डॉलर चढ़कर 14.80 डॉलर प्रति औंस पर रही।

कमजोर वैश्विक संकेतों से कच्चातेल वायदा भाव में 11 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बावजूद सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मंगलवार को वायदा कारोबार में कच्चा तेल की कीमत 11 रुपए की हानि के साथ 3,743 रुपए प्रति बैरल रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चा तेल के जून डिलीवरी अनुबंध की कीमत 11 रुपए यानी 0.29 प्रतिशत की हानि के साथ 3,743 रुपए प्रति बैरल रह गई। इसमें 19,759 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कच्चातेल मूल्य में गिरावट आने से निवेशकों की धारणा मंद हो गई। इस बीच अमेरिकी बाजार न्यूयॉर्क मर्केन्टाइल एक्सचेंज में अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड की दर 0.42 प्रतिशत घटकर 62.03 डॉलर प्रति बैरल रह गई। -(एजेंसी)

खुदरा महंगाई दर मई में बढ़कर 3.05 % , 7 महीनों में सबसे ज्यादा

बिजनेस डेस्कः

मई में खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी देखने को मिली। मई में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.05 फीसदी हो गई। बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक महीना पहले यानि अप्रैल में महंगाई दर 2.99 फीसदी थी। अक्टूबर 2018 के बाद पहली बार महंगाई दर इस लेवल पर आई है। उस वक्त महंगाई दर 3.38 फीसदी थी। मई में कोर सीपीआई अप्रैल के 4.6 फीसदी से घटकर 4.2 फीसदी पर रही है।

खाद्य पदार्थों की महंगाई बढ़ी

महीने दर महीने आधार पर मई में खाद्य पदार्थों की महंगाई 1.1 फीसदी से बढ़कर 1.83 फीसदी पर रही है जबकि सब्जियों की महंगाई 2.87 फीसदी से बढ़कर 5.46 फीसदी पर पहुंच गई है। महीने दर महीने आधार पर मई में ईंधन और बिजली की महंगाई दर 2.56 फीसदी से घटकर 2.48 फीसदी पर आ गया है। वहीं हाउसिंग की महंगाई दर अप्रैल के 4.76 फीसदी से बढ़कर 4.82 फीसदी पर रही है। महीने दर महीने आधार पर मई में अनाजों की महंगाई दर 1.17 फीसदी से बढ़कर 1.24 फीसदी पर रही है। वहीं कपड़ों और जूतों की महंगाई अप्रैल के 2.01 फीसदी से घटकर 1.8 फीसदी रही है। मई में दालों की महंगाई दर में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है, महीने दर महीने आधार पर मई में दालों की महंगाई दर -0.89 फीसदी से बढ़कर 2.13 फीसदी पर पहुंच गई है।

अप्रैल में आईआईपी बढ़कर 3.4फीसदी

अप्रैल में सरकार को ग्रोथ के मोर्चे पर राहत मिलती दिखी है। अप्रैल में आईआईपी मार्च के 0.4 फीसदी से बढ़कर 3.4 फीसदी पर आ गई है। महीने दर महीने आधार पर अप्रैल में माइनिंग ग्रोथ 0.8 फीसदी से बढ़कर 5.1 फीसदी और मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ -0.4 फीसदी से बढ़कर 2.8 फीसदी पर आ गई है। इसी तरह इलेक्ट्रिसिटी प्रोडक्शन में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। महीने दर महीने आधार पर अप्रैल में इलेक्ट्रिसिटी ग्रोथ 2.2 फीसदी से बढ़कर 6 फीसदी पर रही है। महीने दर महीने आधार पर प्राइमरी गुड्स की ग्रोथ 2.5 फीसदी से बढ़कर 5.2 फीसदी पर आ गई है। महीने दर महीने आधार पर कैपिटल गुड्स की ग्रोथ -8.7 फीसदी से बढ़कर 2.5 फीसदी रही है वहीं इंटरमीडिएट गुड्स की ग्रोथ -2.5 फीसदी से बढ़कर 1 फीसदी रही है।

अलर्टः गूगल कैलेंडर के जरिए चोरी हो सकता है आपका डाटा

गैजेट डेस्क (एजेंसी)।

गूगल की सेवाओं का पूरी दुनिया में काफी उपयोग किया जाता है। इसी बात पर ध्यान देते हुए हैकर्स गूगल द्वारा चलाए जा रहे प्रोडक्ट्स को ही अपना शिकार बना रहे हैं। हैकर्स ने गूगल कैलेंडर के जरिए यूजर्स के डाटा को चोरी करना शुरू कर दिया है। अगर आप गूगल कैलेंडर सर्विस का उपयोग करते हैं तो आपको सतर्क रहने की सख्त जरूरत है। फोर्ब्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह एक नए तरह का स्कैम है जिसमें हैकर्स यूजर्स के पासवर्ड और लॉगइन की डिटेल को चुरा रहे हैं। इस जानकारी का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है।

ई-मेल भेज कर डाटा चुरा रहे हैकर्स

गूगल कैलेंडर में उपयोगकर्ताओं को आपस में मीटिंग शिड्यूल करने की सुविधा दी जाती है। मीटिंग को सैट करने के साथ आपके जीमेल अकाउंट पर एक ई-मेल नोटिफिकेशन आता है। साइबर सिक्योरिटी फर्म कैस्परस्काई ने बताया है कि कैलेंडर मीटिंग इन्विटेशन में एक खतरनाक लिंक भी मौजूद रहता है। इस पर क्लिक करते ही यूजर किसी दूसरी खतरनाक वैबसाइट पर पहुंच जाता है जहां यूजर से क्रैडिट कार्ड और कुछ निजी जानकारी मांगी जाती है जिसके बाद हैकर्स यूजर की जानकारी को चुरा लेते हैं।

आखिर क्यों गूगल के हाथ नहीं आ रहे ऐसे स्कैम

कैस्परस्काई ने बताया है कि इस अटैक को अंजाम देने के लिए हैकर्स जीमेल के स्पैम फिल्टर को बाइपास कर देते हैं। जिसके बाद उनके द्वारा भेजे गए ईमेल सीधे ही यूजर के इनबॉक्स में पहुंच जाते हैं। इन मेल्स को गूगल का एंटीस्पैम मॉड्यूल सही से डिटेक्ट नहीं कर पाता जिससे हैकरों के लिए हैकिंग करना और भी आसान हो जाता है।

इस तरह रखें खुद को सेफ

ऐसे स्कैम्स को पहचानना काफी मुश्किल है लेकिन एक तरीका है जिससे आप इस तरह के अटैक से बच सकते हैं। अगर आपको गूगल कैलेंडर का अननोन इनविटेशन मिले तो आप उसे डिलीट कर दें। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि ईमेल में दिए गए लिंक पर ऐसे ही क्लिक न करें। अगर आपने किसी वैबसाइट पर रजिस्ट्रेशन की है तो उसके वैबपेज पर जाने के लिए लिंक को कॉपी कर नए टैब में ओपन करें।

189 यात्री सवार स्पाइसजेट के विमान का टायर फटा, जयपुर एयरपोर्ट पर एमरजेंसी लैंडिंग

जयपुरः स्पाइसजेट के विमान का टायर फटने के बाद इसे बुधवार को सुरक्षित जयपुर हवाई अड्डे पर उतारा गया। स्पाइसजेट के विमान 'बोइंग 737-800' ने दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। उसका टायर फट गया लेकिन वह सुरक्षित ढंग से उतर गया और किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। विमान में करीब 189 यात्री सवार थे। जयपुर हवाई अड्डे की कार्यवाहक निदेशक रमा गुप्ता ने बताया कि दुबई एटीसी ने सूचित किया था कि विमान का टायर फटने का संदेह है। जयपुर एटीसी ने विमान के पायलट से हवाई अड्डे के निकट नीची उड़ान भरने को कहा। जब टायर फटे होने की पुष्टि हो गई तो आपातकालीन बंदोबस्त किए गए लेकिन विमान सामान्य ढंग से उतर गया।' स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि चालक दल ने तय प्रक्रिया का पालन किया और विमान सुरक्षित ढंग से उतर गया। कुछ यात्रियों ने हवाई अड्डे पर मीडिया से कहा कि विमान की लैंडिंग के समय उन्हें कुछ झटके महसूस हुए लेकिन उतरने से पहले तक उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी।

लंदनः नीरव मोदी की लगातार चौथी बार जमानत याचिका खारिज

लंदन (एजेंसी)।

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) घोटाले मामले में आरोपी और भगोड़े नीरव मोदी को लंदन की अदालत से ने चौथी बार झटका लगा है। अदालत ने नीरव को जमानत देने से इनकार कर दिया है। ऐसे में उसे अभी लंदन की जेल में दिन गुजरने होंगे। इसके अलावा जज ने नीरव को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए ये शक जताया है कि अगर बेल मिली तो सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है। सुनवाई के दौरान जज की तरफ से नीरव मोदी के वकील को फटकार भी लगाई गई है। जज ने कहा है कि वह इस बात पर यकीन नहीं कर सकते कि बेल मिलने पर किसी सबूत को नष्ट नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान जज ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि भविष्य में क्या होगा, कौन जानता है।

जज ने कहा कि याचिकाकर्ता पर कई देशों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं, ऐसे में जमानत देना ठीक नहीं होगा। बता दें कि ये चौथी बार है जब नीरव मोदी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया है। इससे पहले लंदन की ही एक अदालत ने नीरव मोदी को 26 जून तक जेल (न्यायिक हिरासत) में रहने का फैसला सुनाया था। 48 साल का कारोबारी नीरव मोदी हिंदुस्तान में 13,000 करोड़ रुपए के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वॉन्टेड है। उसे 19 मार्च को होलबोर्न से गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से ही वह प्रत्यर्पण कार्यवाही के खिलाफ लड़ रहा है। नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 13,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी मामले के संबंध में जांच कर रही हैं।

तीन बार खारिज हो चुकी है याचिका

वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट की कोर्ट नीरव मोदी की जमानत की अर्जी तीन बार खारिज कर चुकी है, क्योंकि उसको लगा है कि नीरव मोदी ब्रिटेन से भाग सकता है। नीरव मोदी की वकील क्लेयर मोंटगोमरी ने उच्च न्यायालय में कहा, ॔हकीकत यह है कि नीरव मोदी विकिलीक्स के सह-संस्थापक जूलियन असांजे नहीं हैं, जिसने इक्वाडोर के दूतावास में शरण ली है, बल्कि सिर्फ एक साधारण भारतीय जौहरी हैं।॑

नीरव मोदी के वकील ने आगे कहा, ॔हकीकत यह है कि नीरव मोदी कोई दुर्दांत अपराधी नहीं है जैसा कि भारत सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है। वह एक जौहरी है और उन्हें ईमानदार और विश्वसनीय माना जाता है।

उधना रेल्वे स्टेशन की पार्किंग में महिलाओं के साथ में दुर्व्यवहार

सूरत। उधना रेल्वे स्टेशन के सूत्रों के मिली जानकारी के अनुसार पार्किंग कोन्ट्रेक्टर जो पूरा रेल्वे स्टेशन की जगह पर पार्किंग चार्ज वसूल करते हैं साथ में आने -जाने वाले यात्रीयों और महिलाओं के साथ छेडछाड होने की कई घटनाक्रम बने हुए हैं इस तरह की जानकारी रेल्वे सूत्रों के पास से मिल रही हैं, लेकिन फरियाद करने की योग्य व्यवस्था और महिला को जानकारी न होने से फरियाद करने से दूर रहते हैं और पार्किंग कर्मचारियों का होंसला बुलंद होते जा रहे हैं देखना अब यह हैं की शराब की जो पार्टियों रेल्वे पार्किंग में चलता हैं उस पर किसी प्रकार की कार्यवाही रेल्वे प्रशासन करता हैं की नही.

घरफोड़ चोरी की तीन घटनाये, 11.13 लाख की मत्ता चुराई

स्थानीय पुलिस स्टेशन ने फरियाद दर्ज की

सूरत। बुधवार को शहर में चोरी की बनी तीन घटनाओं में 11.13 लाख रुपये की मत्ता चुराई गई है।

प्रथम घटना में पुणा सीताराम सोसायटी घर नं. ए/262 में से अज्ञात व्यक्ति सोना चांदी के दागीने मिलाकर कुल 1,37,500 की माल मत्ता चोरी करा गया था। घर मालिक जीतूभाई हीरा भाई राठोड़ ने पुणा पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज करायी है। दूसरी घटना में वेड रोड़ घर नं. ए/36 में रुपये से अज्ञात व्यक्ति तीन मोबाइल फोन नकद मिलाकर कुल 26,000 रु. की माल मत्ता मचुरा कर ले गये था घटना के सम्बन्ध में हितेश बाबू पटेल कतारगाम पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज कारयी थी। तीसरी घटना में सारोली पुणा हरिओम इन्डस्ट्रीज में स्थित कारखाने की आफिस में से`क अज्ञात व्यक्ति नकद 9.50 लाख रु. चुरा ले गया था।

समुद्र तट पर ऊंची लहरें उठने की शुरूआत होने से प्रशासन सुसज्जित

'वायु' तूफान आज समुद्र तट पर दस्तक देगा : लाखों का स्थानांतरण

तूफान से प्रभावित हो सके ऐसे १० जिलों में रहते लोगों को सुरक्षित शिफ्ट किया गया : सेना, एनडीआरएफ और नौका सेना सहित सभी टीम तैयार

अहमदाबाद। अरब सागर से गुजरात की तरफ प्रचंड चक्रवाती वायु तूफान गुजरात की तरफ तेजी के साथ बढ़ रहा है। इसकी प्रचंड असर दिखाई देने लगी है। गुरुवार को दोपहर तक प्रचंड तीव्रता के साथ वायु तूफान दस्तक देगा। गुजरात सरकार और गुजरात प्रशासनिक तंत्र प्राकृतिक आपदा में कोई नुकसान नहीं हो इसे लेकर पूरी तरह से तैयार है। सतर्कता के सभी कदम उठाये गये हैं। तीन लाख से ज्यादा लोगों का स्थानांतरण किया जा चुका है। स्थानांतरण प्रक्रिया अभी भी चल रही है। समुद्र तट के क्षेत्रों में यह तूफान दस्तक देने वाला है जिसकी वजह से आसपास के क्षेत्रों में नुकसान होने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चक्रवाती तूफान गुरुवार को सुबह से लेकर दोपहर तक के समय में पोरबंदर और कच्छ, वेरावल के बजाय पोरबंदर के समुद्र तटों पर दस्तक दे सकता है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही है। राज्य सरकार ने सौराष्ट्र, कच्छ के निचलेवाले क्षेत्रों से तीन लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थल पर भेजा जा चुका है। १० जिले जो तूफान से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले है इसमें कच्छ, मोरबी, जामनगर, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, राजकोट, अमरेली, भावनगर गीर सोमनाथ शामिल है। यह सभी जिलों से लोगों को १०० फीसदी भेजने का काम किया जा रहा है। लोगों को सरकारी इमारतों में भेजा गया है। पूरा प्रशासन अलर्ट पर है। एनडीआरएफ की टीमें पहले से ही पहुंच चुकी है। सेना ने गुजरात के समुद्र तट पर १० टीमें तैनात किया है। हरएक टीम में ७० से ज्यादा जवान है। सौराष्ट्र क्षेत्र के १० जिलों में ४०८ गांवों में रहते ६० लाख से ज्यादा लोगों को असर होने की संभावना है। काफी चिंता और दहशत के बीच वायु तूफान की दिशा बदल गई होने का राज्य सरकार द्वारा बुधवार शाम को आधिकारिक रूप से घोषित किया गया है। अब तूफान वेरावल के बदले पोरबंदर की तरफ डायवर्ट हुआ है। दूसरी तरफ, तूफान अब गुरुवार को सुबह में दस्तक देने के बदले दोपहर के समय तक में वेरावल से लेकर द्वारका के बीच पोरबंदर समुद्र तट के क्षेत्र में दस्तक देने की संभावना अब व्यक्त की जा रही है। इसी वजह से अब सरकार और प्रशासन ने भी इस प्रकार से भी सुरक्षात्मक तैयारियां और आयोजन किया गया है। वायु तूफान के संदर्भ में उपस्थित होने वाले सभी परिस्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार और प्रशासनिक तंत्र सुसज्जित है। जिसे लेकर राज्य के राजस्व विभाग के मुख्य सचिव पंकज कुमार ने बताया कि, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल और मुख्य सचिव डॉ. जेएन.सिंघ सहित के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को समुद्र तट के प्रभावित १० जिलों के प्रशासनिक तंत्र के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा समीक्षा की। मुख्य कंट्रोल रुम में १४ सीनियर आईएएस अधिकारी तूफान के संदर्भ में उनके संबंधित विभागों के कामकाज का मॉनिटरिंग कर रहे है और एकएक गतिविधि पर नजर रख रहे है। उन्होंने आगे बताया कि, राज्यभर में दोपहर तक में १,२३,५५० से ज्यादा नागरिकों का स्थानांतरण कराया गया है। जिसके लिए राज्यभर में १,२१६ आश्रय स्थल बनाये गये हैं। जिसमें एनजीओ तथा धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से रहने की, खाने की, पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। स्थानांतरण काम जोरशोर से चल रहा है। शाम तक में प्रभावित क्षेत्रों से लोगों का सुरक्षित स्थल पर स्थानांतरण कर दिया जाएगा। गांधीनगर में स्टेट इमरजन्सी ऑपरेशन सेंटर में मुख्य कंट्रोल रुम कार्यरत किया गया है। जिसमें १४ सीनियर आईएएस. अधिकारी तूफान के संदर्भ में उनके संबंधित विभागों के काम का मॉनिटरिंग कर रहे है। मुख्य कंट्रोल रुम में जीईबी, मार्ग -मकान, पुलिस, फीशरीज, सिंचाई और बायोगैस के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भी कार्यरत है। जो उनके विभाग के कामकाज का संबंधित जिले के साथ संकलन कर रहे है। राज्य के समुद्र तट के जामनगर, देवभूमि-द्वारका, पोरबंदर, गीर सोमनाथ, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, मोरबी, कच्छ और राजकोट जिले वायु तूफान की असर होने वाली है।

इस बीच पश्चिम रेलवे ने तूफान को देखते हुए कुछ रूट्स पर ट्रेनें रद्द की हैं। वेरावल, ओखा, पोरबंदर, भावनगर, भुज और गांधीधाम स्टेशनों की ओर शाम छह बजे के बाद १४ जून की सुबह तक सभी पैसेंजर, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन रद्द रहेगा। इस दौरान लोगों को रेस्क्यू में मदद पहुंचाने के लिए इन सभी स्टेशनों पर एक-एक स्पेशल ट्रेन मौजूद रहेगी। इसके साथ ही वेस्टर्न रेलवे ने लोगों को निकालने के लिए बुधवार को ओखा स्टेशन से दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद के लिए राज्य सरकार ने सेना की १० कॉलम (टुकड़ी) को पश्चिमी तट पर तैनात किया है। जामनगर, गिर, द्वारका, पोरबंदर, सोमनाथ, मोरबी, भावनगर, राजकोट और अमरेली में सेना को लगाया गया है। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को उच्च स्तरीय बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। गुजरात के साथ ही केंद्र शासित प्रदेश दीव के लिए भी अडवाइजरी जारी की गई है। समीक्षा बैठक के दौरान गृह मंत्री ने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही बिजली, संचार, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी जरूरी सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए।

स्कूल वान के विरुद्ध पुलिस के सख्त रवैये से वान चालकों द्वारा हड़ताल

प्राइवेट पासिंग के स्कूल वाहनों को टैक्सी पासिंग में बदलने हेतु दबाव: आर.टी.ओं

स्कूल वान की हड़ताल के कारण अभिभावक चिन्तित

सूरत। बुधवार नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूल वान चालकों द्वारा आज से दो दिवस हेतु हड़ताल शुरु कर दिया है। ट्रैफिक पुलिस एवं आर.टी.ओं. द्वारा गतरोज प्राइवेट पासिंग की 181 स्कूल वान को जब्त कर लिये जाने से आज वेन चालकों में घबराहट मच गयी है।

सूरत आर.टी.ओ. एवं ट्रैफिक पुलिस की मदद से मत दिवस शहर के विभिन्न विस्तारों में स्कूल वान की चेकिंग करने से 181 वेन जब्त किया था। प्राइवेट पासिंग के वाहनों में स्कूलों के बालकों को अवैध लाने और ले जाने जैसी कार्यावाही करते पकड़ा था। स्कूल वेन हेतु आवश्यक टैक्सी पासिंग का वाहन जरुरी है। ट्रैफिक पुलिस एवं आर. टी.ओ. द्वारा प्राइवेट पासिंग के वाहनों को जब्त करने के विरोध में आज शहर के अधिकांश विद्यालयों के स्कूल वेन चालकों ने हड़ताल की है। वेन चालकों की हड़ताल के लिए आज अभिभावक स्वंय बच्चों को विद्यालय में छोड़ने एवं लेने जाने की आवश्यकता पड़ी। वेन चालकों द्वारा आज सुबह से घर से ही वेन रास्ते पर नहीं निकाली। वालियों को दो दिन का हड़ताल की जानकारी मोबाइल द्वारा की गयी थी बहुंत से विद्यालयों द्वारा वेन छकड़े चालकों को टेक्सी पासिंग कराने की सूचना दी गयी है। प्राइवेट पासिंग करते टेक्सी पासिंग का रजिस्ट्रेशन चार्ज अधिक होने से वेन इको चालकों प्राइवेट पासिंग कार का अवैध विद्यालय के बालकों की हेरा फेरी करते किसी भी प्रकार की कमर्शियल यात्रा हेतु टेक्सी पासिंग जरुरी है। ट्रैफिक पुलिस एवं आर. टी.ओं के अभियान से प्राइवेट पासिंग वाला वाहन चालकों में घबराहट फैल गयी थी। टैक्सी पासिंग का वाहनों में भी फिटनेस एवं मर्यादित संख्या की जांच की जा रही है।

प्रोहिविशन की कार्यवाही में विभिन्न प्रकार के 49 केस पुलिस ने दर्ज किये

सूरत। बुधवार ता. 1/6/2019 के दिन पुलिस ने अलग-अलग जगह पर कुल 49 केस किया है। जिसमें देशी दारू के कुल 23, देशी दारू ली. 600 मूल्य 1210 तथा रशायन 2220 लीटर मूल्य रु. 4440 तथा इंग्लिस दारू के 2 केसों, जिसमें छोटी-बड़ी वाटली नग 44 मूल्य 2200 सहित कुल 18,650 का मुद्दा माल जब्त किया गया है। इसके अतिरिक्त दारू पीये हुए 24 सहित कुल 46 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। तथा 7 आरोपी गिरफ्तार करने बाकी है तथा प्रोहिविशन की प्रवृति के साथ संलग्न लोगों के विरुद्ध कायदेसर कार्यवाही की गयी है।

कपराड़ा में प्रेमी युवक द्वारा लग्न के लालच में सगीरा को गर्भवती बनाकर छोड़ देने पर अपराध दर्ज

वलसाड। वलसाड जिले के कपराड़ा तालुके के एक गाम की यवती तेजगाम के युवक के परिचय में आयी थी युवक ने लग्न का लालच देकर सगीरा के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाये। जिसके कारण यह सगीरा सगार्मर बन गयी थी। इसकी सूचनाये मां बाप के सिर पर आसमान टूट पड़ा था। सगीरा एवं उसके परिवार की समाज में बदनामी न हो इस हेतु समाज के पंचों द्वारा युवक को बुलाकर इस कृत्य के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर युवक ने इस सम्म्बन्ध से इन्कार कर चला गया। युवती के साथ बनी घटना से दंग हो गये परिवार ने 181 अभयम् महिला हेल्प लाइन का सम्पर्क किया था।

प्राणघातक दुर्घटनाओं के निवारण हेतु ट्रैफिक शाखा द्वारा की गयी कार्यवाही

सूरत। बुधवार को पिछले 24 घंटो में ट्रैफिक शाखा द्वारा शहर में अलग-अलग प्वाइनटों पर कसूरवार वाहन चालकों के विरुद्ध स्थल दण्ड के रुप में 1,85,500 तथा सभी पुलिस स्टेशनों में स्थल पर दण्ड के रुप में रु. 23,100 मिलाकर कुल 2,09,600 दण्ड वसूल किये गये।

बारडोली की धरती पर सफल सत्याग्रह के बाद वल्लभभाई का 'सरदार' रूप में जन्म हुआ: ईश्वर भाई परमार

बारडोली के अकोटी गाम की भीखी बेन ने सत्याग्रह करके खेडूतों को न्याय दिलाने वाला वल्लभभाई पटेल को सरदार का विरुद दिया

सूरत। बुधवार महात्मा गांधी जी की 150 वीं जन्म जयन्ती के समारोह के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्री ईश्वर भाई परमार की अध्यक्षता में बारडोली में 91 वां बारडोली दिवस भी भव्य उत्सव किया गया था।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं खेल कुद युवा एवं सांस्कृतिक प्रवृति विभाग में संयुक्त उपक्रम में बारडोली का सरदार पटेल टाउन होल में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ईश्वर भाई परमार ने बताया कि सरदार पटेल की देशभक्ति एवं कर्मठता अविस्मरणीय है। मंत्री ने विधान सभा में धारा सभ्य तरीके का अपने प्रथम भाषण में बारडोली ने सरदार की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि कही थी जिससे विधानसभा में आश्चर्य फैलाया था। परन्तु वास्तविकता प्रस्तुत करते समय कहा था कि सत्याग्रह से पहले वल्लभभाई पटेल तरीके परिचित वल्लभभाई को सत्याग्रह के बाद सरदार रुप में जन्म हुआ और वह सरदार बने। यानि बारडोली की धरती में सरदार का जन्म हुआ ऐसा कहिये तो इसमें जरा भी अतिशयोक्ति नहीं होगी।

उन्होंने सरदार पटेल को बारडोली की भूमि के साथ पुराना रिश्ता रहा है। वर्ष 1928 में बारडोली सत्याग्रह के समय बारडोली के अकोटी गाम में भीखी बेन ने सफल सत्याग्रह कर के किसानों को न्याय दिलाने वाला वल्लभ भाई पटेल को सरदार का विरूद दिया था तब से वल्लभाई समस्त विश्व में सरदार तरीके ख्याति पाये। प्रसिद्ध लेखक एवं साहित्यकार श्री हरि देसाई ने बताया कि गांधी जी एवं सरदार पटेल एक दूसरे के पूरक थे। गांधी जी कहते थे कि सरदार पटेल न मिले होते तो देश के लिए मैं आज जो कुछ कर सका हूं ये न कर सका होता। देश को एक सूत्र में वांधने वाले सरदार पटेल सच्चे अर्थों में एक राष्ट्रनायक थे। अन्तरराष्ट्रीय राजनीति की परख करने वाले एवं दूरदर्शी नेतृत्व धारी सरदार पटेल वारडोली सत्याग्रह के बाद एरिस्टोक्रेटि बैरिस्टर में से खद्दरधारी लोकनेता बने। श्री देसाई ने आगामी बारडोली के सत्ता की वर्ष के समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाये ऐसी अपेक्षा व्यक्त की थी।

स्वागत प्रवचन में जिला भाजप प्रमुख श्री दिलीप सिंर राठोड़ ने सरदार पटेल का वारडोली सत्याग्रह बारडोली के साथ का सम्बन्ध एवं लोकनेता के रुप में जीवन का विस्तृत निरुपण किया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**